

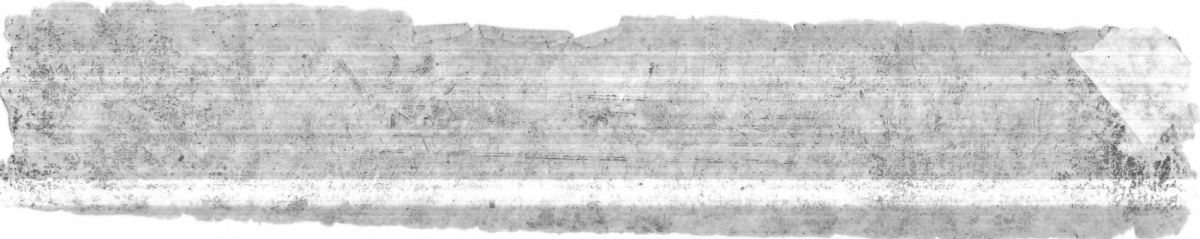
༄༅། བོད་བླ་མ་དཔལ་ལྷན་ཁག་གི་ལྷན་ཁག་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN26624	ImageGroup:	I3CN26973
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	དུས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་དང་རྩིས་དཀར་ནག་སྒོར་གྱི་དཔེ་རྒྱུ་འགའ་ཞིག dus kyi 'khor lo dang rtsis dkar nag skor gyi dpe rnying 'ga' zhig
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	5
Total Volumes:	7
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2021





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥





—

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१३५७८९०१२३४५६७८९०१२३४५६७८९०१२३४५६७८९०

[illegible][illegible]

कक्षीं सुठ्यां गच्छन्ति सुगन्धं यथा वदन्तः ॥



1

1

१३५४ २५०९ २५०९ २५०९ २५०९ २५०९ २५०९ २५०९ २५०९ २५०९

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥



© 2004 Blackwell Publishing Ltd *Journal of Internal Medicine* 255: 105–112

25

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

一	二	三	四	五	六	七	八	九	十	十一	十二
子	丑	寅	卯	辰	巳	午	未	申	酉	戌	亥
甲子	乙丑	丙寅	丁卯	戊辰	己巳	庚午	辛未	壬申	癸酉	甲戌	乙亥
丙子	丁丑	戊寅	己卯	庚辰	辛巳	壬午	癸未	甲申	乙酉	丙戌	丁亥
戊子	己丑	庚寅	辛卯	壬辰	癸巳	甲午	乙未	丙申	丁酉	戊戌	己亥
庚子	辛丑	壬寅	癸卯	甲辰	乙巳	丙午	丁未	戊申	己酉	庚戌	辛亥
壬子	癸丑	甲寅	乙卯	丙辰	丁巳	戊午	己未	庚申	辛酉	壬戌	癸亥
甲子	乙丑	丙寅	丁卯	戊辰	己巳	庚午	辛未	壬申	癸酉	甲戌	乙亥
丙子	丁丑	戊寅	己卯	庚辰	辛巳	壬午	癸未	甲申	乙酉	丙戌	丁亥
戊子	己丑	庚寅	辛卯	壬辰	癸巳	甲午	乙未	丙申	丁酉	戊戌	己亥
庚子	辛丑	壬寅	癸卯	甲辰	乙巳	丙午	丁未	戊申	己酉	庚戌	辛亥
壬子	癸丑	甲寅	乙卯	丙辰	丁巳	戊午	己未	庚申	辛酉	壬戌	癸亥

[illegible]

[illegible]



सर्वविद्या

502/234

संस्कृत-विश्वकोष

२५५

अथवा अथवा

॥ अथ यथा यथा विदुषां विदुषां विदुषां ॥

॥ अथ मन्त्रः ॥

॥ वाचं धेनुमुपासीत ॥

॥१॥

[illegible]

॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥५॥

ইতিহাসঃ অসমৰ ইতিহাস ৬৬।

11/3/1994
09:40:00

विष्णुसंज्ञायाः त्रयसंज्ञायाः पुनरुक्तम्

॥ अथ श्रीगणेशोपनिषत् ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ देवस्य दुष्टं विनाशाय ॥

॥ कर्मण्येवाङ्मयात्मा ॥

HYPOTHESIS 1

1997-1998

॥ अथ पञ्चमः सर्गः ॥

॥ अथ चतुर्थोऽङ्कः ॥

॥१॥

॥ अथ पञ्चमः पदपञ्चमः ॥

निदेशक रविशंकर महपात्र

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥५॥ अथ यत्तु आश्रयत्वात्

॥ दध्याय नमः ॥

विद्वत्पुत्रदेवसदण

। आसवः शुद्धाश्च ३ कषायस्य दण्डिदा ।

॥ अथ महाभारतस्य त्रयोविंशोऽध्यायः ॥

॥ अथ ध्यातव्यं ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

99

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a long passage of text, possibly a list or a continuous narrative, written in Devanagari script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्णोवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय । ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय । ॥ १ ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

१० पुष्प वि शय भू भू	११ पुष्प वि शय भू भू	१२ पुष्प वि शय भू भू	१३ पुष्प वि शय भू भू	१४ पुष्प वि शय भू भू	१५ पुष्प वि शय भू भू	१६ पुष्प वि शय भू भू	१७ पुष्प वि शय भू भू	१८ पुष्प वि शय भू भू
पुष्प वि शय भू भू	पुष्प वि शय भू भू	पुष्प वि शय भू भू	पुष्प वि शय भू भू	पुष्प वि शय भू भू	पुष्प वि शय भू भू	पुष्प वि शय भू भू	पुष्प वि शय भू भू	पुष्प वि शय भू भू

१० पुष्प वि शय भू भू ११ पुष्प वि शय भू भू १२ पुष्प वि शय भू भू १३ पुष्प वि शय भू भू १४ पुष्प वि शय भू भू १५ पुष्प वि शय भू भू १६ पुष्प वि शय भू भू १७ पुष्प वि शय भू भू १८ पुष्प वि शय भू भू

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥

[illegible]

१. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	२. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	३. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	४. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	५. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	६. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	७. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	८. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	९. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	१०. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ
११. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	१२. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	१३. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	१४. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	१५. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	१६. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	१७. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	१८. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	१९. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ	२०. वा अ वा अ वा अ मैंने मेरा हाथ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

[illegible]

इ.स.पू.५००-४००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2004

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीतायां अर्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिमुपसंगम्य
 तं कुरुष्व मे पादपङ्क्तयः श्रुत्वा त्वत्पदम् ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः समाम्भवाः समासृजन्तः ॥
 तव प्रसादे महाबाहो रणधूमः प्रफुल्लितः ॥
 कवचमुपधातुमस्त्रिभुवनं भगवन्महात्मनः ॥
 तव शिरसां कवचं ध्यात्वा त्वं कुरुष्व मे पादपङ्क्तयः ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः समाम्भवाः समासृजन्तः ॥
 तव प्रसादे महाबाहो रणधूमः प्रफुल्लितः ॥
 कवचमुपधातुमस्त्रिभुवनं भगवन्महात्मनः ॥
 तव शिरसां कवचं ध्यात्वा त्वं कुरुष्व मे पादपङ्क्तयः ॥



श्रीमद्भगवद्गीता	अध्यायः	श्लोकः	पाठः	अर्थः	भावः	प्रमाणः	उदाहरणः	व्याख्यानः	संग्रहः
अध्यायः	१	१	अर्जुन उवाच ॥	द्रुपदमुनिमुपसंगम्य	तं कुरुष्व मे पादपङ्क्तयः	श्रुत्वा त्वत्पदम्			
अध्यायः	१	२	द्रुपद उवाच ॥	धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे	समवेता संजनाः	समाम्भवाः समासृजन्तः			
अध्यायः	१	३	तव प्रसादे महाबाहो	रणधूमः प्रफुल्लितः	कवचमुपधातुमस्त्रिभुवनं	भगवन्महात्मनः			
अध्यायः	१	४	तव शिरसां कवचं ध्यात्वा	त्वं कुरुष्व मे पादपङ्क्तयः					
अध्यायः	१	५	द्रुपद उवाच ॥	धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे	समवेता संजनाः	समाम्भवाः समासृजन्तः			
अध्यायः	१	६	तव प्रसादे महाबाहो	रणधूमः प्रफुल्लितः	कवचमुपधातुमस्त्रिभुवनं	भगवन्महात्मनः			
अध्यायः	१	७	तव शिरसां कवचं ध्यात्वा	त्वं कुरुष्व मे पादपङ्क्तयः					
अध्यायः	१	८	द्रुपद उवाच ॥	धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे	समवेता संजनाः	समाम्भवाः समासृजन्तः			
अध्यायः	१	९	तव प्रसादे महाबाहो	रणधूमः प्रफुल्लितः	कवचमुपधातुमस्त्रिभुवनं	भगवन्महात्मनः			
अध्यायः	१	१०	तव शिरसां कवचं ध्यात्वा	त्वं कुरुष्व मे पादपङ्क्तयः					

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

१० श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	११ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	१२ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	१३ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	१४ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	१५ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	१६ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	१७ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	१८ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	१९ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः
२० श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	२१ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	२२ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	२३ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	२४ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	२५ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	२६ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	२७ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	२८ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः	२९ श्री गुरुदेव नमः ॐ नमः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80																				

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

251

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । पापं कुरुष्व मे न प्रहृष्टात्तु योदया ।
मां तस्मै शिखण्डे द्रुपदः प्रवक्ष्यति वरुण ।
श्रीद्रुप उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
एवाहमवतस्थाम् । समीपस्थस्तु तव पादयोः ।
अर्जुन उवाच । द्रुपद गुरुभ्यो नमस्कृत्य चतुर्विधं ।
आचारं ब्रूहि मे सुत ! शृणुष्यामसाधुना ।
श्रीद्रुप उवाच । कुरुक्षेत्रे संभवन् नन्दन ! ।
विभीषणश्च दुर्योधनश्चैत्रियः पश्यतः श्रितम् ।
अर्जुन उवाच । किमु मे विदुः शिखण्ड ! ।
पश्येत्पादौ परमेश्वरे । पादौ पादौ मया हि ।
अर्जुन उवाच । तव पादौ मया हि । पादौ पादौ मया हि ।
अर्जुन उवाच । तव पादौ मया हि । पादौ पादौ मया हि ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

— 20 —

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



25

STUDY

2007

10

1

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80																				

[illegible]

Date			Page		Subject		Topic		Date		Page		Subject		Topic		Date		Page		Subject		Topic		Date		Page		Subject		Topic	

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अहो भूतविषयोऽस्माकं युद्धम् ॥
 इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टाध्याये प्रथमोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible][illegible]

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible][illegible]

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥
शिवसंज्ञायाः प्रथमोऽङ्गः ।

[illegible]

1. The first part of the document is a list of names and dates, which appears to be a record of some kind. The names are written in a cursive script, and the dates are in a more formal, printed style. The list is organized into two columns, with names on the left and dates on the right. The names are: John Smith, James Brown, Robert Johnson, William Davis, Thomas Wilson, Charles Miller, and George Taylor. The dates are: 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795, and 1796. The list is followed by a signature, which appears to be "John Smith".

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



सिद्धार्थ

527

CAUTION

ENTREPRENEUR

2004年12月



विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

॥ पञ्चमः सर्गः ॥

॥ विष्णुसहस्रनाम ॥

॥ सुदयस्तु वीर्यं सुदयस्तु ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

१५४३

सुखदुःखसंज्ञा

सुधातु सुकन्दपुष्पदन्त

प्राकृतवर्णमाला

॥ इन्द्राय नमः ॥

अथ पञ्चमः प्रश्नः

1955-1956

1950

~~XXXXXXXXXXXXXXXXXXXX~~

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पुस्तकालय संख्या

सिवाय कर्मद्वयमुक्त

张其成

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

सुभाषचन्द्रबोसस्य विषयः।

2000

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशोपनिषत् ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1950

1950

॥ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥

सिंहप्रतिष्ठापनसमय

पुस्तकालय

पिपरा ३०० रु. १०० रु. १०० रु.

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



२१२५ ॥ श्रीगुरुदेवसुखेतिहृदयैवमहोदय ॥

॥१५॥

ཆོས་ཀྱི་ལོ་རྒྱུས་ཀྱི་ལོ་རྒྱུས་

॥ रघुपतिवन्द्यसुखद ॥ रघुपति ॥

[illegible]

पञ्चमः अक्षरः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

2000

0926



а. б. в. г. д. е. ж. з. и. й. к. л. м. н. о. п. р. с. т. у. ф. х. ц. ч. ш. щ. э. ю. я.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

100

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

(Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



The image shows a manuscript page from the 'Sikandar-nama' (1857). The page is divided into several rectangular sections by lines. The top section contains a large, stylized illustration of a building or structure. Below this, there are several smaller rectangular sections, some containing text and others containing illustrations. The text is written in a script that appears to be Persian or Urdu. The overall layout is complex and organized.



१	२	३	४	५
६	७	८	९	१०
११	१२	१३	१४	१५
१६	१७	१८	१९	२०
२१	२२	२३	२४	२५
२६	२७	२८	२९	३०
३१	३२	३३	३४	३५
३६	३७	३८	३९	४०
४१	४२	४३	४४	४५
४६	४७	४८	४९	५०
५१	५२	५३	५४	५५
५६	५७	५८	५९	६०
६१	६२	६३	६४	६५
६६	६७	६८	६९	७०
७१	७२	७३	७४	७५
७६	७७	७८	७९	८०
८१	८२	८३	८४	८५
८६	८७	८८	८९	९०
९१	९२	९३	९४	९५
९६	९७	९८	९९	१००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेत्ता महाशूरा मया ॥
 त्वं प्रदिष्टवानि धर्मं शृणु तन्मया श्रितम् ॥
 १ ॥

[illegible]

[illegible]



॥५॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

॥ अथ यत्कर्म दत्तं पुण्यं कर्म ॥

Digitized by Google

पुस्तकालय संख्या: 1234567890

सुदृढः प्रहः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

~~SECRET~~

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

১৩৬

陈鹤琴

॥ शृणुयात्तु यः सुदुष्कृतस्य च ॥

॥ इन्द्राय नमः ॥

॥ दण्डवत्प्रणमः ॥

प्राज्ञः पदं यत्पुनरुच्यते ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

225

५८६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

॥ प्रसादपुष्पाय नमः ॥

॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥

॥ अथ अष्टादशोऽध्यायः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पुस्तक संख्या १५१

[illegible]

SAFETY

པས་དབང་ལྡན་གྱི་རྒྱུ་འབྲས་ཀྱི་ཕྱོད་ཀྱི་མཛེས་ཤིང་།

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

www.ck12.org

DATE: 11/11/2011

३७२५४९६३८५१

यस्यैवमपि। वसुधैवकुटुम्बकम्

5751

॥ॐ देवके सपत्न्याः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ਪ੍ਰਿੰਸਪਲ ਅਤੇ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਦੀ ਸਹਿਮਤੀ ਨਾਲ

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

[illegible]

[illegible]

[illegible]

89

[illegible]

This strip contains six panels, each showing a diagram of a traditional Chinese architectural structure, possibly a pavilion or gate. Each diagram is composed of several parts, with labels in Chinese characters indicating specific components or measurements. The structures are symmetrical and feature a central vertical axis. The labels include characters like '門' (gate), '窗' (window), '柱' (column), and '梁' (beam), among others. The diagrams are arranged in a row, separated by thin vertical lines.

The image shows a series of six hand-drawn diagrams, numbered 1 through 6, illustrating the construction of a roof truss for a building. Each diagram is contained within a rectangular frame divided into sections. The top section of each diagram shows a triangle representing the roof truss, with various labels and dimensions. The bottom section of each diagram contains a table with numerical data, likely representing the dimensions or weights of the truss components. The diagrams are arranged in a horizontal row, and the text is in Hindi.

--	--	--	--	--	--	--

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१७७

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे

वर्षेयदे



[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a long passage of handwritten or printed script in Devanagari.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

महाराष्ट्र

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
एभ्यः शत्रून् सामासीतमिच्छामि धर्ममाप्नुयान्मुखात् महाबली ॥ ४ ॥
ह्यहं कौरवशत्रुं पांडुपुत्रं धर्मनिष्ठम् ॥ ५ ॥ अथ बभूवुः पश्यन्भीष्मद्रुपदसंवा-
दम् ॥ ६ ॥ तदा आचार्य उवाच ॥ ७ ॥ पांडवस्य ह्यर्जुनस्य चैव कौटिल्यस्य च महती
प्रज्ञा ॥ ८ ॥ सत्यमेव तेन प्रकीर्तितं यत्तु त्वया हि मेघनाद ॥ ९ ॥
अथ युधिष्ठिर उवाच ॥ १० ॥ सर्वधर्मान् परित्यज्य मामकाः पांडुपुत्रं
क्रोधेणाभियुक्तम् ॥ ११ ॥ तस्मात्तु त्वं युधिष्ठीर्युजः ॥ १२ ॥
सर्वभार्यामभिमन्युः ॥ १३ ॥ पांडुपुत्रं धर्मनिष्ठम् ॥ १४ ॥
अथ भीष्म उवाच ॥ १५ ॥ युधिष्ठिर उवाच ॥ १६ ॥ तदा आचार्य उवाच ॥ १७ ॥
पांडवस्य ह्यर्जुनस्य चैव कौटिल्यस्य च महती प्रज्ञा ॥ १८ ॥ सत्यमेव तेन प्रकीर्तितं
यत्तु त्वया हि मेघनाद ॥ १९ ॥ अथ युधिष्ठिर उवाच ॥ २० ॥ सर्वधर्मान् परित्यज्य
मामकाः पांडुपुत्रं क्रोधेणाभियुक्तम् ॥ २१ ॥ तस्मात्तु त्वं युधिष्ठीर्युजः ॥ २२ ॥
सर्वभार्यामभिमन्युः ॥ २३ ॥ पांडुपुत्रं धर्मनिष्ठम् ॥ २४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥
॥ ११ ॥
॥ १२ ॥
॥ १३ ॥
॥ १४ ॥
॥ १५ ॥
॥ १६ ॥
॥ १७ ॥
॥ १८ ॥
॥ १९ ॥
॥ २० ॥
॥ २१ ॥
॥ २२ ॥
॥ २३ ॥
॥ २४ ॥
॥ २५ ॥
॥ २६ ॥
॥ २७ ॥
॥ २८ ॥
॥ २९ ॥
॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥
॥ ३२ ॥
॥ ३३ ॥
॥ ३४ ॥
॥ ३५ ॥
॥ ३६ ॥
॥ ३७ ॥
॥ ३८ ॥
॥ ३९ ॥
॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥
॥ ४२ ॥
॥ ४३ ॥
॥ ४४ ॥
॥ ४५ ॥
॥ ४६ ॥
॥ ४७ ॥
॥ ४८ ॥
॥ ४९ ॥
॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥
॥ ५२ ॥
॥ ५३ ॥
॥ ५४ ॥
॥ ५५ ॥
॥ ५६ ॥
॥ ५७ ॥
॥ ५८ ॥
॥ ५९ ॥
॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥
॥ ६२ ॥
॥ ६३ ॥
॥ ६४ ॥
॥ ६५ ॥
॥ ६६ ॥
॥ ६७ ॥
॥ ६८ ॥
॥ ६९ ॥
॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥
॥ ७२ ॥
॥ ७३ ॥
॥ ७४ ॥
॥ ७५ ॥
॥ ७६ ॥
॥ ७७ ॥
॥ ७८ ॥
॥ ७९ ॥
॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥
॥ ८२ ॥
॥ ८३ ॥
॥ ८४ ॥
॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥
॥ ८७ ॥
॥ ८८ ॥
॥ ८९ ॥
॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥
॥ ९२ ॥
॥ ९३ ॥
॥ ९४ ॥
॥ ९५ ॥
॥ ९६ ॥
॥ ९७ ॥
॥ ९८ ॥
॥ ९९ ॥
॥ १०० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यानि ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
एभ्यः पुरातनैः शूरा विराटश्चेकात्मजा ॥ ४ ॥ समीपस्थस्तथा पांडुर्विशमभयः ॥ ५ ॥
उवाच ॥ ६ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ७ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता एभ्यः पुरातनैः शूरा
विराटश्चेकात्मजा ॥ ८ ॥ समीपस्थस्तथा पांडुर्विशमभयः ॥ ९ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a list or index of items.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

291

TABLE 1

सुप्रसन्नः

[Faint, illegible handwritten text]

REGISTRATION: 514455

WILEY-INTERSCIENCE

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible.]



1201

[illegible]

2003

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a long list or index of items, possibly names or titles, written in Devanagari script.]

[illegible]

1992-93

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain multiple lines of handwritten script.]

[illegible]

1991

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



1997

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 सत्त्वगुणैश्चैव तं गच्छन्ति मनुजान् ।
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ गच्छेत्तु भगवतः परमं सुखं । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	
--	--	--	--	--	--

1900. 10. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844.

593

5-20

5200

2007年12月

| पठेत्तु यः सदैव पुण्यं कुरुते ।

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

1908

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ यदेकैकं अत्र अस्ति तेनैव संपद्यते ॥

10/21/1922

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1284390

॥ दत्तकपुत्रोद्धारः ॥

附錄

सत्यमेव जयते

13/05/2014

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ अथ मन्त्रेण यथापि यथासुखा वीरेन ॥

परिचय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ । मन्त्रस्य विष्णुमंत्रोक्तं ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

297

सुभक्त
द्वयदय

4413
4414
4415

425

[illegible]

[illegible]

[illegible]

